



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 503]

नई दिल्ली, मंगलबार, अक्टूबर 15, 1985/आस्विन 23, 1907

No. 503]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 15, 1985/ASVINA 23, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(अधिकारी कार्य विभाग)
अधिकारी
नई दिल्ली 15 अक्टूबर, 1985
बीमा

का०आ० 769(प्र)।—अंग्रेजीय संकार, माध्याग्रण बीमा नियमांकन (शास्त्रीयकरण) अधिनियम 1973 की धारा 17-क द्वारा प्रदत्त शास्त्रीयों का प्रयोग करते हुए माध्याग्रण बीमा (पर्योक्तकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ वर्तनाचित्कृति) व वेतनमानों तथा मेवा की अन्य शर्तों का मुद्रणवार्तीकरण और पुनरीक्षण) स्कीम 1974 में अंग्रेजीयोंकरन के लिये निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्यान् ।

1 (1) इस स्कीम का मुक्तिपूर्वक नाम माध्याग्रण बीमा (पर्योक्तकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ वर्तनाचित्कृति) के वेतनमानों तथा मेवा की अन्य शर्तों वा मुद्रणवार्तीकरण और पुनरीक्षण) स्कीम 1985 है।

(2) यह 1 अक्टूबर, 1985 का प्रकृत हुई माना जाएगा।

(3) यह उन सब अंग्रेजीयों पर लागू होगी जो—

(1) इस स्कीम के प्रारम्भ होने की तारीख को नियम अथवा कार्यालय के पर्योक्तकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ वर्तनाग्रण मेवर्ग में पूर्णांकित करती है, और

(1) जो इस स्कीम के प्रारम्भ होने की तारीख के पश्चात् नियम अथवा कार्यालय इस प्रकार नियुक्त नियोजित हैं,

विन्तु यह उन व्यक्तियों पर लागू नहीं होगी ।

(2) जो 1 अक्टूबर, 1983 का या उसके पश्चात् वर्ग 1 अधिकारी के रूप में प्राप्तन हो गए हैं या विकास कर्मचारिकृति के रूप में संपर्कित हो गए हैं,

(3) जो नियोजित विनियोजित सरिदार के अधीन नियोजित किए गए हैं,

(4) जो अंग्रेजीय स्वप्न में नियोजित है, या

(5) जिनका इस स्कीम के गतिविधि में प्रकाशन की तारीख वे पूर्व नियमांकन कर लिया गया था या जिनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई थीं ।

2 माध्याग्रण बीमा (पर्योक्तकीय लिपिकीय और अधीनस्थ वर्तनाचित्कृति) के वेतनमानों तथा मेवा की अन्य शर्तों वा मुद्रणवार्तीकरण और पुनरीक्षण) स्कीम 1974 (जिसे इसमें उसके पश्चात् उन्न स्कीम कहा गया है) के पैरा 3 में—

(1) खड़ (ख) के पश्चात् नियमांकित खड़ अंत म्यापित किया जाएगा, अर्थात्—

(अ) 'नियम' में अधिनियम की धारा 9 के अधीन गठित भागीय गाधाग्रण बीमा नियम अधिकैन है ।

(ii) खड़ (चक्र और लख) के स्थान पर निम्नलिखित खड़ जैव जागरूकता प्रयोगी हैं—

"(चक्र) "पुनर्जीवित निवेदन" से चारों ओर सूखों में यथा विनिर्दिष्ट पुनर्जीवित वेतनमान प्राप्त मूल और अधिक है,

(लख) "पुनर्जीवित वेतनमान" से चारों ओर सूखों में यथा विनिर्दिष्ट पुनर्जीवित वेतनमान प्राप्त है।

३ उक्त स्कीम के पैरा १वां उपर्याप्त (५) शब्द (२) के स्थान पर निम्नलिखित यथा पैरा रखे जाएं अक्षीय हैं—

(५) साधारण बीमा (पर्यवेक्षकीय विधिकीय और शर्तीनश्च कर्वन्चारित्वन्द के वेतनमान तथा अंतर्वार्षिक शर्तों की दृश्य जानी का सुशोधनस्थाकरण और पुनर्गठन) मणाधन स्कीय १९८५ (जिसे इसमें इसके प्रयोग भवान वेतनमान स्कीय कहा गया है) के प्रारंभ द्वात् से तारीख से, प्रत्येक कर्मचारी का अंतर्वार्षिक अनुसार पुनर्जीवित निवेदनों के अनुसार द्वात् योग्य अनुसार तारीख का भेदागत प्रत्येक कर्मचारी का मूल वेतन वैरा ६८ के उपरिका के अनुसार पुनर्जीवित वेतनमानों में नियन्त्रित किया जाएगा।

(५) प्रत्येक कर्मचारी का जिसका मूल वेतन वैरा ६८ के उपरिका के अनुसार पुनर्जीवित वेतनमानों में नियन्त्रित किया जाता है १ अप्रैल १९८३ या उसके नियुक्तिकी तारीख जारी भाव में ऐप्रारंभ होने क्षाल अवधि के लिए मूल वेतन वेयलिनक वेतन वैदि कार्ड होने के अनुसार पुनर्जीवित निवेदनों और मणाधन स्कीय के प्रारंभ होने के तारीख के ठीक पूर्व उस तारीख और "नया वेतनमानों (जिसके द्वारा इसके द्वारा यार्थ तारीख से सुधारना वेतनमान वेतनमान के अनुसार का भावानन्, कर्मचारी की भवित्व नियन्त्रित में अतिवाय अधिकारी की कठीनी करने के बाद किया जाएगा।

परन्तु यह कि—

(१) उस कर्मचारी का जो १ अप्रैल १९८३ के पश्चात् भवान वेयलिनकी तारीख तक की अवधि के लिए उपर्युक्त अन्तर की धनराशि तथा मणाधन एकम से उद्भूत उपदान यदि कार्ड हो के अन्तर की धनराशि का भावानन् उस लाभित का किया जाएगा और

(११) उस कर्मचारी के मामले में जिसकी १ अप्रैल १९८३ के पश्चात् भवा में इन अदोगत मन्य हो गई थी मूल की तारीख तक के अवधि व तिथि वैरा ५००० अंतर की धनराशि तथा मणाधन एकम से उद्भूत उपदान के अन्तर की धनराशि यदि कार्ड हो था भावानन् उस लाभित का किया जाएगा जिसे उसके उपदान का भगाना किया जाता था।

परन्तु यह भी कि उस कर्मचारी के मामले में जो १ अप्रैल १९८३ का था उसके पश्चात् पर्यवेक्षकीय विधिकीय और अधीनस्थ कर्मचारित्वन्द भवान में अधिकारी सत्रांग में प्राप्त तथा अंतर की गया हो अथवा शिकास कर्मचारी के लिए से भवित्वनित किया गया हो तो अधिकारी के लिए उसकी प्राप्तिनि या विकास कर्मचारी के स्पष्ट म सर्वनितन की तारीख तक की पुनर्जीवित अन्तर की धनराशि (उपदान के अन्तर की धनराशि का लाइक) का भगाना पुनर्जीवित निवेदनों में उक्त मूल वेतन के वैद्वानिक नियन्त्रित के प्राधार पर किया जाएगा।

स्पष्टीकरण—उपर्याप्त (५) के प्रयोगजन के लिए 'अन्य भवा' पर म भवान विग्रह भला नाम प्रतिकरणस्थि भला कार्यात्मक भला यवानीय स्थान भला तथा नवर्तीकी अंजनाओं के लिए ऐसा भला अधिकृत है जो कर्मचारी को अनुसार है।

४ इवत् के मूल वेतनमान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा अग्रा—

५ वृत्तीय वेतनमानों मूल वेतन का नियन्त्रित

(१) मैथान विधिक कर्मचारी का जो मूल वेतन ३१ मार्च, १९८३ का था वह १ अप्रैल १९८३ से मूल वेतन पुनर्जीवित वेतनमान के लाभान्वत प्रक्रम पर नियन्त्रित किया जाएगा;

परन्तु यह नियन्त्रित कर्मचारी को १ अप्रैल १९८३ का वापिस वेतनमानद्वि द्वय हो तो उस अमीर वेतनमानद्वि मूल वेतन के ऐसे नियन्त्रित के लाभान्वत पुनर्जीवित वेतनमान में दी जाएगी।

*

परन्तु यह अग्री कि जहा एम कर्मचारी का मूल वेतनमान मूल वेतनमान के अवधितम पर नियन्त्रित किया जाता है तो ऐसी कार्ड वेतनमानद्वि नहीं दी जाएगी।

(२) १ अप्रैल १९८३ का या उसके पश्चात् किन्तु राजपत्र में स्कीम मणाधन प्राप्ति भ पूर्व नियन्त्रित किए गए गण प्रत्येक कर्मचारी तो मूल वेतन उसकी नियन्त्रित की तारीख से मूल वेतनमान प्रक्रम पर नियन्त्रित किया जाएगा—

परन्तु यह कि मूल वेतन के नियन्त्रित पर फायदे (अर्थात् "पुनर्जीवित निवेदनों" के अधीन मूल वेतन और महाराई भवन के जीड़ की "विवासान निवेदनों") के प्रत्यान मूल वेतन वैयक्तिक वेतन यदि कोई हो, के जोड़ की ओराहा चुक्कि उस तारीख के स्वभा० (१) म की लाभान्वत प्रतिविटि विनिर्दिष्ट कर्मचारिणों के प्रबग के सभारे में उसमें उपचार तारीख सारणी के स्वभा० (२) भ विनिर्दिष्ट रकम में वर्ष नहीं होगा—

सारणी

नमंचारी प्रवर्ग

(१)

अधीनस्थ कर्मचारित्वन्द

गिकाड़ विधिक

महायक व वेतनमान म मर्भो कर्मचारी

वरिष्ठ गहायक/आणविपिक/प्रधासक

नवनिम प्रतिवाग फायदे

(२)

३५ रुपये

४० रुपये

५० रुपये

६० रुपये

परन्तु यह अग्री भी कि यदि युगान युनियोन वेतनमान के लाभान्वत प्रभाव पर मूल वेतन के नियन्त्रित के परिवारमात्र लाभान्वत फायदे नहीं होते हैं तो उस कर्मचारी को मूल वेतन मूल वेतनमान के उसमें उपचार एक या अधिक प्रक्रमों पर उस प्रकार नियन्त्रित किया जाएगा जिसमें कि यह सुनिश्चित किया जा गए कि उसे पूर्वोक्त तारीखी म विनिर्दिष्ट नवनिम प्राप्ति मिले।

परन्तु यह अग्री भी कि जहा मूल वेतनमान पुनर्जीवित वेतनमान के अधिकृतम पर मूल वेतन के नियन्त्रित मूल वेतनमान वैयक्तिक लाभान्वत फायदा कर्मचारी को नहीं होता तो उसे उस कर्मचारी को मूल वेतन मूल वेतनमान पुनर्जीवित वेतनमान के उसमें उपचार एक या अधिक प्रक्रमों पर उस प्रकार नियन्त्रित किया जाएगा जिसमें कि यह सुनिश्चित किया जा गए कि उसे पूर्वोक्त तारीखी म विनिर्दिष्ट नवनिम प्राप्ति मिले।

(३) (१) उपर्याप्त (१) ग्रीष्म (१) म किसी बात के हाते हुए भी कर्मचारी हम बात के लाभान्वत कर मकना है कि उसका मूल वेतन मणाधन स्कीम के ग्रजपत्र में प्रकाशित की तारीख में पुनर्जीवित वेतनमान मानो म नियन्त्रित किया जाए उस तारीख में वह नियम या कपर्ती को हम लाभान्वत के सूचना संग्रहण स्कीम के पास प्रकाशित की तारीख में वह नियम या कपर्ती को हम लाभान्वत के अन्तर्गत किसी बद्दी गई अवधि तक नियन्त्रित रूप में देगा।

(ख) जहाँ कर्मचारी अपना मूल बेतन मर्यादित रूपीमें करते हैं प्रकाशन का नाम तथा में नियन्त करते हैं का विवरण देना है तो “पुनर्गालित निवधनों” में उसके बेतन का नियन्तन, यथा पूर्वानि रीति में जिसके अन्तर्गत पूर्वीक न्यूतनम पारदै है किन्तु मर्यादित संकाम में एम प्रकाशन को तारीख के ठीक पूर्व तारीख को “विद्यमान निवधनों” के अर्थात उसकी कुल परिवर्तियों (अर्थात मूल बेतन, वैयक्तिक बेतन, यदि कोई हो, महाराह भूत और वैयक्तिक भूत) के प्राप्तानपर किया जाएगा।

परन्तु “विश्वमान निवृत्तो” के प्रतीत कर्मचारी का परिणामित्यों की पुनर्जीवी मैदानिक आधार पर भा तहों की आणगी और गणाश्रम स्कॉल के प्रकाशन की तरीख में पहले को विविध किए उगे काउंसिल कार्यालय गण मंडिय नही होगी ।

परन्तु यह और भी कि जहां संगोष्ठन स्कॉप के ऐसे प्रकाशन की तारीख में ठीक पूर्ववर्ती तारीख की पर्यवेक्षकीय त्रिंग निपिकांश गवर्नर के ऐसे 'किसी कर्मचारी का "प्रियमान निबंधनों" के अनुभाग कुप्रशंसित विधियां (अर्थात् पूर्ण वेतन, वैयक्तिक वेतन, ड्राइव फोर्ड हो, महगाई भला और वैयक्तिक भला) और पूर्ववर्ती त्याजम पायदां का योग "पुनरार्थित निवारणों" के पश्चीम उमरों परिवर्तियां (यद्यपि पूर्ण वेतन, महगाई भला और समायोजन भला, यदि कोई द्वा) में अविल हो, तो ऐसे कर्मचारी की कुल परिवर्तियों ता, "पुनरार्थित निवारणों" के पश्चान उसके मूल वेतन, महगाई तंत्र तथा समायोजन भले, यदि कोई द्वा, तो कुल योग तथा 35-50 रुपए के अन्तर का गणि तक वैयक्तिक व्यवहार देकर और यथ को यदि कोई हो, नश्वरण भला इक वर्षका विधित किया जाएगा।

परन्तु यह भी कि वैयक्तिक मन्त्रा मर्माधिन को ऐसे प्रकाशन की तारीख को या उसके पश्चात कर्मचारी को देय मूल वेतन या महगाउ भने में भवित्व में द्वाते वाले वालों वृद्धि में गमावाधिन कर दिया जाएगा। मर्माधिन भन्ता कर्मचारी को याधिन को श्रेणी में प्राप्त होने का तारीख तक अगमाधिन रहेगा। कर्मचारी को प्रोत्तिनि अधिकारी को श्रेणी में इस जूते पर मन्त्रप्रधान वैयक्तिक मन्त्रा, मदि काई हो। ऐसी प्राप्ति पर कुल परिवर्धितों में, यथासमय मीमा तक, मर्माधिन किया जाएगा और जब पूर्ण वैयक्तिक मन्त्रा मर्माधिन हो जाता है तो मर्माधिन मन्त्रा, अधिकारी को श्रेणी में प्रोत्तिनि पर कर्मचारी को कुल विविधियों में, यथा सभव मीमा तक अगमाधिन किया जाएगा।

परन्तु यह भी कि जहाँ अधिकारी का शेषों में प्रोन्टनि हो जाने पर भी यथास्थिति वैयक्तिक भन्ना श्रीर/अवयवा यथाक्षण भन्ना पूर्णतया यथाविस्त नहीं होता है, तो अमराविस्त अतिगत प्रोन्टनि के यसकान भी उप प्रकार जर्जर होता।

परन्तु यह भी कि यकाराम्बनि, ऐसा वैयक्तिक भना और/अथवा संरक्षण भवा जो ऐसी प्राप्ति के पश्चात जर्मि रहेगा, उसे परिवर्तितयों में विविध संहेत्रों वालों कुदियों में उप प्रकार मरणिष्ट किया जाएगा जैसा तिथि के अध्ययन द्वारा वित्तित किया जाए.

परन्तु यह भी कि किर्मा में कर्मचारी वा मृत यैतन सुमित्र पुनर्गतित तेनामान के अधिकतम से अधिक मन्त्र वैतन पर नियत रही किया जाएगा।

परन्तु यह भी कि जहाँ मुमुक्षुन् पुनर्जित वेतनमान में मूल वेतन नियत करने परिणामस्वरूप, कर्मचारियों का मूल वेतन “विवरमान निवधनों” के पश्चात मुमुक्षुन् वेतनमान के नियन्त्रण दो अथवा अधिक प्रक्रमार व संबंधित पुनर्जित वेतनमान के भावन प्रक्रम पर हो जिनमें जाता है सांस नियम का अध्यक्ष उन कर्मचारियों को जो “विवरमान निवधनों” के अधीन वेतनमान में उच्च प्रभाव पर है, उनके मामान्य ड वेतन वृद्धि की तारीख से पहले प्रतिरिद्ध वेतन वृद्धि देकर, उपर्युक्त द्वितीय प्रदान कर सकता है।

5. उक्त स्कीम के पैग 7 के स्थान पर निम्नलिखित पैग लगा दिया गया अर्थात्—

“7. वेतन वृद्धियां—(1) संशोधन स्कीम के गतिविधि में प्रकाशन की तारीख से किसी कमचारी को उसे लाग येह में वेतन

बृद्धियाँ प्रत्येक वर्ष उस मास का पहली नार्गिब की जिसमें
पिछलों बेतन बृद्धि प्राप्त की थी अथवा उस मास की पहली
नार्गिब को जिसमें वह निच्चन्द्र मेंदा के बारह मास पूरे करना
है। दोबार होगी।

मार्गोकरण— इस तर पैग के प्रयोजनाथ “बाह्य भास का निरन्तर मेथा” से, अमाधारण छट्टी की अवधियों को स्टोडकर इयटी की बारह भास के द्वारा अवधि अभिषेत है।

(२) उस कम्बियाँ (अधीक्षक में भिन्न) को बाबत जिसका मूल बेतन पैश लेके अर्हीत । अप्रैल, १९४३ को अवधि मर्यादित कर्त्त्य के शब्दस्थ में प्रकाशन की तारीख को पुनर्गिरिकृत बेतनमान के अधिकतम पर तिप्पत दिया जाता है और उस कम्बियाँ को बाबत जो अपने सेवाकाल में उसके पश्चात किसी भी समय पुनर्गिरिकृत बेतनमान में अधिकतम पर पहुँचते हैं, व्यापारिशिक्षित प्रबद्ध निवेशक अधिकार अधिकार सह-प्रबंद्ध निवेशक वर्मचारी के कार्य का रिकाउंट सतोषपद पाप जारी पर, सवायक, चालक अथ अधीनस्थ कर्मचारियों के बेतनमान में ऐसे कम्बियाँ को परवधित पुनर्गिरिकृत बेतनमान में उसके अधिकतम पर पहुँचते ही तारीख के पश्चात उसके द्वारा की गई प्रत्येक दो वर्ष की सेवा के लिए उस बेतनमान में प्राप्त की गई अतिम बेतन शुद्धि को दर पर, एक बेतन अद्वितीय दर पर विचार कर सकता और ऐसी तीव्र में अधिक बेतनशुद्धियाँ नहीं दी जायगी ।

परन्तु यह कि ये एष ग्रहायाकों, आणुलिपिकों आणु अभिनेत्र लिपिकों नं वैतनमानांमध्ये ऐसे कर्मचारीं को संवेदित पुसर्गांक्षत वैतनमान में अधिकतम प्र पृष्ठवृत्तन की नारीस का बाद कर्मचारीं द्वारा की गई प्रत्येक तीन अर्थ के देशा के लिए यंवित्पृष्ठ अन्त वैतनमानांमध्ये एक वैतन वृद्धि दें ता नकर्ता आणु इस उपर्याके अशीष ऐसी दा वैतन वृद्धियों से वृद्धिक माजर नद्दी को आण्यो ।

६. उबल स्कीम के पैग ९ में उप पैग (३) के पश्चात निम्नलिखित उप पैग अलगापित किया जाएगा अर्थात :—

(4) उप वैकल्पिक उपर्या (1) प्रौद्य (2) में नियत अधिकानम् शास्त्रात्मक कार्य-समय के अधीन रहत हैं। समय-समय पर लिखा का ज्ञान-पूर्वक सनाद् ।

7. इन सर्कार के द्वारा 10 मे -

(१) उप वेग (३) में विचरणत व्यावर (ग) के स्थान पर निम्न विविध वेद्य यथा आगया अवधि :—

(ग) अठा किसी कमस्चारी के आने में अर्जित छहटी जमा है किन्तु उसने उसका उपरोग नहीं किया है तो उसे उसके आने में मैत्रा निवृत्ति की तरीके को जमा अर्जित छहटी की अवधि की बाबत निम्नलिखित अधिकानम भीमा के अर्थान गहन हैं।

(i) 180 दिन तक कर्मचारी की भास्तव्य सेवा निवृत्ति का आयु
58 वर्ष है, और

(ii) 120 दिन, यदि कर्मचारी को भासन्य सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष है।

परन्तु यह कि उसकी मृत्यु की नारीख को उसके खाने में जया अंगिन छहों भानां को अनजान किया जा सकेगा;

परत्तु प्रह और कि यह बोहं उग कर्मचारी को लाए नहीं होगा जिसे कि माधारण और (आवश्यक, अद्याशमन और अपील) नियम, 1975 के अनुसार मेना में अनियाचे स्थ में मवा निवृत्त किया गया है, हटाया गया है यह पदच्यन किया गया

टिप्पणी 1—“अजित छुट्टी को भूमाने के प्रयोजन के लिए किसी कर्मचारी को देय रकम का अवधारण करने के लिए—

(क) मेवानिवृत्ति की दशा में, छुट्टी बेतन उमर्का ऐसी छुट्टियों के जो उमर्के नाम जाता है, के लिए बेतन के बगवर आगा जा बेतन की डग दर से परिकलिन नियम जाएगा जिस पर उमर्के अपनी सेवानिवृत्ति की ठीक पूर्ववर्ती तारीख को बेतन लिया जाए किन्तु इसके अन्तर्गत नगर प्रतिकागत्यक भला, मकान इत्यादि भला और कार्यालयक भला सम्मिलित नहीं है।

(ख) किसी कर्मचारी की मृत्यु की दशा में, उसकी मृत्यु कृत्य परिवर्धियों को (मूल बेतन धन मर्मा मृत्यु, जिसके अन्तर्गत कार्यालयक मृत्या और स्थानापन्न भला सम्मिलित नहीं है) जो मृत्यु की तारीख को है, हिमाव में नियम जाएगा।”

टिप्पणी 2—किसी कर्मचारी को, अजित छुट्टी को भूमाने के परिणामस्वरूप देय कोई रकम, उसकी मृत्यु की तारीख को उमर्के आसे में शेय है तो उसका सदाय उस व्यक्ति को, जिसे सबधित कर्मचारी भविष्य निर्धारी व्यक्ति राशि सदेय है, नियम जाएगा।

टिप्पणी 3—छुट्टी बेतन के बगवर नकदी का भूमाने पर एक ही बार में परिवर्धित रकम के रूप में, एक मृत्यु रकम में सदाय किया जाएगा।

टिप्पणी 4: छुट्टी बेतन के बगवर नकदी मंजूर करने के लिए प्राधिकारी, सबधित कर्मचारी को छुट्टी मंजूर करने के लिए कोई सदाय अधिकारी होता।

(2) उपर्युक्त (5) में विद्यमान परम्परुक के स्थान पर निम्नलिखित परम्परुक रखा जाएगा, अर्थात्—

“परन्तु यह कि कि यदि कोई कर्मचारी आठ मृत्यु रागा केन्द्र, काल, क्षयरोग, अंगवात, मन्त्रितम टप्पम, हृदय के रागों, वृक्क रोगों तथा मानसिक रागों में से किसी रोग में पीड़ित हो तो उसे यदि उमर्के आसे में कोई रोग छुट्टी अनुदेश नहीं सो उसे छह मास में प्रतिविधि अवधि के लिए अर्ध बेतन पर विशेष रोग छुट्टी दी जा सकती।”

8. उक्त स्कॉम के पैरा 13 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात्—

“13 उपदान—(1) किसी कर्मचारी का उपदान सदाय अधिनियम, 1972 (1972 का 39) के उपब्रह्मों के अनुसार सदाय किया जाएगा।

परन्तु यह कि “सणोधन स्कॉम” के अधीन भद्रेय उपदान इस शर्त के अधीन रहते हुए किसी भी दशा में 20 भास की मजदूरी से अधिक नहीं होता कि—

(i) जहाँ किसी वर्मचारी द्वारा अनियम प्राप्त मजदूरी 1600 रुपये से अधिक हो वहाँ उसे, उपदान की मात्रा का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए, 1600 रुपये सदाय जाएगा, और

(ii) जिस दर से उपदान का सदाय किया जाएगा, वह निम्नलिखित रूप में दी गई होगी।—

सेवा के मम्पुरित ब्रह्मों की मृत्यु, सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए सामान की मजदूरी मृत्यु में उपदान की

दर

12	0.6
13	0.7
14	0.8
15 या अधिक	1.0

स्पष्टीकरण : इस पैरा में, “मजदूरी” से वही अभिप्रेत होता जा उपदान सदाय अधिनियम, 1972 (1972 का 39) की धारा 2 के खड़ (ब) में है।

(2) उप पैरा (1) में किसी बात के होने हुए भी, किसी ऐसे कर्मचारियों को, जिसमें 15 वर्षों में प्रयूष नियन्त्रण सेवा की है, उप उपदान का मशाय किया जाएगा जो वैरों के उपब्रह्म (i) और उपब्रह्म (ii) के अनुसार परिकलिन की गई दोनों रकमों में से अधिक होगा।

(1) उप पैरा (1) के अनुसार परिकलिन उपदान;

(ii) प्रथम पद्धति वर्षों का बाबत नियन्त्रण सेवा के प्रत्येक मम्पुरित वर्ष के लिए एक मर्मों के सेवान्त मूल बेतन को दर से और आगे का नियन्त्रण सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए आधीं महीने के सेवान्त मूल बेतन को दर से उपदान इस शर्त के अधीन रहते हुए कि इस प्रकार अनुज्ञा कुल उपदान अधिकतम 20 मास के सेवान्त मूल बेतन या 36,000 रुपये से, जो भी कम हो, अधिक नहीं होगा।

9. उक्त स्कॉम के पैरा 19 में, उप पैरा (2) में “यद्यकरण” शब्द के प्रत्यात् निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—“जिसके अन्तर्गत विभिन्न कार्यालयों में ऐसे साईकोपोसियरों का, जो व्यवसं सूनना के लिए आगे और प्रभावी नियंत्रण के लिए डाटा को समय पर उपलब्ध और उमर्के शीघ्र संभाधन के लिए आवश्यक हो, प्रयोग भी है।”

10. उक्त स्कॉम के पैरा 20 का लोप किया जाएगा।

11. उक्त स्कॉम के पैरा 24 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात्—

“21 प्रथम प्रमुखियां—कोई भी कर्मचारी किसी ऐसी प्रमुखिया का दृक्कार नहीं होता जो “इस स्कॉम” या किसी ऐसी स्कॉम जो नियम या कार्यालय द्वारा बनाई जाए, से उद्भूत न हो।”

12. उक्त स्कॉम की नीमी अनुसूची में,

(i) खड़ (क) में “15” अंक के स्थान पर “7” अंक रखा जाएगा;

(ii) खड़ (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खड़ रखा जाएगा अर्थात्—

“नियम या कार्यालय, कर्मचारी को, प्रत्येक और में 1208 किलोमीटर तक की प्राप्ति के अंतर्गत किया जाएगा।”

(iii) खड़ (ड) में,

(क) “1000” अंकों के स्थान पर “1208” अंक रखे जाएंगे;

(ख) “उपर्युक्त” शब्द के स्थान पर “खड़” शब्द रखा जाएगा;

(iv) खड़ (च) में “15 दिन से अधिक” अंकों और खड़ों स्थान पर “7 दिन से अन्यून” अंक और शब्द रखे जाएंगे।

13. उक्त स्कॉम में, चीर्पी अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात्—

“चीर्पी अनुसूची

(पैरा 3(च क) और (च ख) देखें)

1. पुनर्जित बेतनमान (मूल बेतन)

(क) पर्यावरणी और लिपिकीय कर्मचारिवृन्द-

(1) अधीक्षक (उन आंक का डार)

1060-73-2035-80-2 13.5 रुपये

(2) ज्येष्ठ महायक

715-60-1135-75-2035 रुपये

(3) आश्लिपिक :

715-60-1135-75-2015 रुपये

*नियम या कार्यालय अधीक्षक के पांडी पर कोई नहीं नियुक्त की जाएगी।

(4) सहायक, टाईपिस्ट, टेलर्सोन आपरेटर, टेलर्सम आपरेटर, अधिकारी अपरेटर, मूल्टिट्रिक्स मर्गिन आपरेटर और अन्य सम्बन्धीय पद.

520-30-670-15-850-60-1210-75-1660 रुपये

(5) अधिकारी निपिक:

490-20-730-35-905-45-1130 रुपये

ख. अधिकारी कर्मचारिवृन्द :

(1) ड्रॉफ्टर.

190-20-750-25-800-30-980 रुपये

(2) अन्य अधीकारी कर्मचारिवृन्द :

430-10-450-20-790 रुपये

II. कार्यात्मक भत्ता :

अन्त निर्धारित और सूची कार्य के स्थान में निम्नलिखित कार्यों में से किसी कार्य में अग्रकर्मनार्थियों को नीचे उपर्युक्त के अनुगाम कार्यात्मक भत्ते का संदाय किया जाएगा.

(1) लिपिट्रैन, मशीन आपरेटर, प्रधान चपाशी, जमादार या दफनर्ही के स्थान में कार्य करने वाले अधीकारी कर्मचारिवृन्द 35 रुपये प्रतिमास

(2) बैंक में रोड़ लाने या बहाने जाने का कार्य करने वाले अधीकारी कर्मचारिवृन्द, जहाँ किसी कलेडर मास के द्वारा लाए जाए गए ग्राहक की रकम मामान्यतः 25,000 रुपये या उससे अधिक है 25 रुपये प्रतिमास

(3) किसी ग्राहक कार्यान्वय में ग्राहक सम्बलन यातारांकिया जहाँ किसी कलेडर मास के द्वारा लाए गए ग्राहक की रकम मामान्यतः 25,000 रुपये या उससे अधिक है 75 रुपये प्रतिमास

(4) टेलर्सम आपरेटर, पच कार्ड आपरेटर और यूनिट ग्रिफ्ट मशीन आपरेटर 10 रुपये प्रतिमास

(5) कार्मिक्स्ट 40 रुपये प्रतिमास

(6) नियम के अध्यक्ष, प्रवर्त निदेशक, अध्यक्ष मह प्रबन्ध नियमक, महप्रबन्धक, महप्रबन्धक और समन्वय अधिकारियों के आगुलिपिक 50 रुपये प्रतिमास

(7) नेत्रापरंपारा ग्राहक 200 रुपये प्रतिमास

टिप्पणी 1: कार्यान्वय भत्ता पाने के लिए पात्र व्यक्तियों को सब्सीडी और नाम, कार्यान्वय वाला प्रशासनिक अधिकारी पर निर्धार करते हुए अध्यक्ष महप्रबन्ध नियमक या प्रबन्ध नियमक द्वारा अवधारित किए जाएंगे।

टिप्पणी 2: कूर्साई भो कर्मचारी किसी एक समय पर केवल एक कार्यात्मक भत्ता लेगा।

टिप्पणी 3: स्ट्रॉटी पर जाने वाले किसी कर्मचारी का, अधिकारी कूर्साई की अवधियों से निष्पत्ति उसको लूटटी की अवधि के द्वारा कार्यात्मक भत्ता दिया जाएगा, परन्तु यह तब जय कि वह अपनी लूटटी की भस्त्रित पर उसी पर पर कार्य आरंभ करता है।

टिप्पणी 4: कोई भा कर्मचारी, उस पद में संलग्न कार्यात्मक भत्ता पाने के लिए, अधिकारी के स्थान में, किसी विशिष्ट भाग का कार्य उसे अवंटित किए जाने का शाया नहीं करेगा।

टिप्पणी 5: कोई भा कर्मचारी कार्यात्मक भत्ता बाले किसी पद पर कार्य करते को इकार नहीं करगा या यह भत्ता नहीं जगायगा कि पदधारी को अनुपस्थिति या अस्थायी स्थान में कार्य बुक जाने के कारण, कार्यात्मक के प्रधान द्वारा ऐसा कार्य उसे मौजूद गया है इसलिए उसे ऐसा भत्ता दिया जाए।

III. महगाई भत्ता

(i) कर्मचारियों का लागू महगाई भत्ते का मापमान निम्नलिखित स्थान में अधिकारित किया जाएगा :—

सूची औद्योगिक कर्मचारियों के लिए अधिकार भारतीय और अन्योन्य भूत्य सूचीकाक।

आधार वर्ष : 1960-100

महगाई भत्ते का पुनरीक्षण :—महगाई भत्ते का पुनरीक्षण प्रत्येक 4 वर्षाई की बृद्धि या गिरावट के लिए नियमान्वय अधिकार पर किया जाएगा।

महगाई भत्ते के दर : 332 प्लाईटों से ऊपर नियमान्वय अधिकार के प्रत्येक 4 प्लाईटों के लिए महगाई भत्ता नियमान्वयित्व दरों में परिवर्तित किया जाएगा।—

(i) 790 रुपये या उससे कम मूल वेतन का 1 2 प्रतिशत

(ii) 790 रुपये में अधिक मूल वेतन मूल वेतन का 1 प्रतिशत, किन्तु पुनर्नव्य 9 48 रुपये और अधिकतम 15 80 रुपये।

(2) अधिकार भारतीय उपभावना मृद्य सूचक के लियाही औसत (जिसे इसमें इसके पश्चात् "न्याय औसत अंक" कहा गया है) में 332 प्लाईटों से ऊपर द्वारा पर 332-336-340-344 और इसी अनुक्रम में प्रत्येक चार लूटटी दो की लूटटी होते पर सदैय महगाई भत्ते का उच्चांगीय पुनरीक्षण होगा, और यदि चालू औसत अक उपर्युक्त अनुक्रम में उस मूलकाक से नीचे आ जाता है अधिक मदर्हों में पिल्ली पूर्ववर्ती नियमाही के लिए महगाई भत्ता दिया गया है, तो सदैय महगाई भत्ते का अधिकारी पुनरीक्षण होगा। अधिकारी पुनरीक्षण होते पर, सदैय महगाई भत्ता उम इशा में चालू औसत अकों के तत्त्वान्वय होता, यदि ऐसा चालू औसत अक उपर्युक्त अनुक्रम में कोई अंक नहीं है, तो सदैय महगाई भत्ता उपर्युक्त अनुक्रम में उम अकों के तत्त्वान्वय होता जो चालू औसत अक से ठीक पहले का है। इस प्रयोजन के लिए नियमाही में मानव, जूल, सितम्बर या दिसम्बर के अन्तिम दिन तो समान होने वाली तीन मास की दर्शक अभिप्रेत होती। भारतीय श्रम परिवार या भारत के गवर्नर, जो भी प्रकाशन पद्धते उपलब्ध हो, में प्रकाशित अन्तिम सूचकांक कहूँ सूचकांक होगा जिसे महगाई भत्ते के परिवर्तन के लिए लिया जाएगा।

(3) किसी विशिष्ट नियमाही के लिए चालू औसत सूचक में पर्यावर्तीयों के तत्त्वान्वय मंडलगाई भत्ते का पुनरीक्षण उम नियमाही की समाप्ति के बाद केवल दूसरे उत्तरवर्ती मास में प्रभावी होगा।

(4) सदैय के निवारण के लिए, यह स्पष्ट किया जाना है कि 1 अप्रैल, 1983 को सदैय महगाई भत्ता वह रकम होगा जो 332 से ऊपर 160 प्लाईटों पर इसमें विनियोजित दर के अनुमार अवधारित है और उसके पश्चात् सभी नियमाही पुनरीक्षण उम मास की पहली नारीवार का शोध गम्भी जाएगा जिसमें नियमाही औसत सूचकांक उपलब्ध थे। नारीवार, अप्रैल 1983 के लिए सदैय महगाई भत्ता वह होगा जो नीचे दी गई मार्गी में प्रथम प्रविधि में उपर्युक्त है और उसके पश्चात् कि ऐसा भत्ता नारीवार में आनुक्रमिक प्रविधियों के अनुमार पुनरीक्षित किया गया समझा जाएगा।

मासों के द्विप्रथम महाराष्ट्र	कार्यवार्ता नं. 332 के अन्तर्गत दर				
भन्ना	के गणजांह में देशवान				
विमान और निवारण द्वारा दर	790 रु. 740 रु.				
मूलव	जिनके लिए तक का मैं उपर्युक्त				
महाराष्ट्र भन्ना मूल	का मूल				
मदेय है	वेतन				
	वेतन				
	प्रति- शत				
	प्रति- शत				
अप्रैल, 1983	492	160	18	40	
मई, 1983 से जूनाई, 1983	496	161	19	2	11
अगस्त 1983 से अक्टूबर 1983	520	188	56	4	47
नवम्बर, 1983 से जनवरी 1984	514	216	61	8	54
फरवरी, 1984 से अप्रैल, 1984	556	236	67	2	56
मई, 1984 से जूनाई, 1984	560	238	68	4	57
अगस्त, 1984 से अक्टूबर 1984	561	232	69	6	58
नवम्बर, 1984 से जनवरी, 1985	584	252	75	6	63
फरवरी, 1985 से अप्रैल, 1985	584	256	76	8	64
मई, 1985 से जूनाई, 1985	584	252	75	6	63
अगस्त, 1985 से अक्टूबर 1985	600	268	80	4	67

इस शीर्षक के अधीन प्रविष्ट (i) की उप-प्रविष्ट (ii) में उपर्युक्त अनुनाम और अधिकतम रकमों के अधीन रहते हुए।

IV. वेतन को अधिकतम रकमा—

कोई भी कर्मचारी, जो—

(i) यथास्थिति, निगम या कम्पनी के पर्यवेक्षी या लिपिकीय स्टाफ में कार्य कर रहा हो, किसी भी समय, मूल वेतन, विशेष वेतन, यदि कोई हो, महाराष्ट्र भन्ने और वैयक्तिक भन्ने के रूप में कुल 3500 रुपये प्रतिमास से अधिक रकम प्राप्त नहीं करेगा,

(ii) यथास्थिति, निगम या कम्पनी के अधीनस्थ स्टाफ में कार्य कर रहा हो, किसी भी समय, मूल वेतन, विशेष वेतन, यदि कोई हो, महाराष्ट्र भन्ने और वैयक्तिक भन्ने के रूप में कुल 2100 रुपये प्रतिमास से अधिक रकम प्राप्त नहीं करेगा।

V. नवनेत्रों के अहंताओं के लिए भन्ना

विसी पांच दिनों ग कर्मचारी को, जो नीचे उल्लिखित विसी परीक्षा में अहंता होता है या जिनमें श्रिति किया है, परगाम के दर्शनाम के

प्रकाशन की नारीख में नीचे उल्लिखित नवनेत्रों के अहंताओं के लिए भन्ना दिया जाएगा—

परन्तु यह कि उसे एक से अधिक अहंता भन्ना अनुज्ञेय नहीं होगा।

परीक्षा

अहंता भन्ना
प्रतिमास

बोधा गम्यानों का परिमध
या चार्टर्ड बीमा सम्पादन

(i) लाइसेन्सिंग
25 रुपये

(ii) एसोसिएटिंग पूरी करने पर
50 रुपये

(iii) फैलो लिप्पार्सी करने पर
75 रुपये

(iv) कोई तीन विषय
40 रुपये

(v) कोई सात विषय
60 रुपये

(vi) फैलोशिप पूरी करने पर
75 रुपये

(vii) इन्टरमीडिएट पूरा करने पर
50 रुपये

(viii) एसोसिएटिंग या फैलोशिप पूरी करने पर
75 रुपये

तकनीकी अहंताओं के लिए भन्ना दिए जाने में सवधित कर्मचारी की ज्योत्तता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

जहा किसी कर्मचारी वो उक्त परीक्षाओं में से किसी परीक्षा में अल्लिखित करने वे के लिए पहले ही कोई अधिक्षिय वेतन यदि कोई अन्य आवर्ती जारीक फायदा दिया गया है, वहाँ पहले से प्राप्त फायदे की मात्रा पर नियंत्र करने हुए, अहंता भन्ने की रकम में अवाचित रूप से किसी कर दी जाएगी या वह अनुज्ञेय नहीं होगा।

VI. मकान कियाया भन्ना

(1) कर्मचारी को मकान कियाया भन्ना मूल वेतन के 10 प्रतिशत की दर में, किन्तु अधिक से अधिक 200 रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए, सदैय होगा। जहा किसी कर्मचारी को निगम या किसी कम्पनी द्वारा आवास मुश्विधा स्टाफ स्टार्टर उपलब्ध कराया गया है वहा उसे कोई मकान कियाया भन्ना गईये नहीं होगा।

(2) ऐसे कर्मचारी, जिन्होंने आवास मुश्विधा / स्टाफ क्वार्टर झार्टिंग किया गया है किसी मकान कियाया भन्ने के हकदार नहीं होगे, किन्तु वे ऐसी आवास मुश्विधा के लिए निगम/कम्पनी को ऐसी उपयुक्त अनु-अधिक फीस का संदेय करेंगे जो निगम का बोर्ड समन्वय पर विनियम्य करे।

परन्तु यह कि कोई ऐसा कर्मचारी, जिसे 1 अप्रैल, 1983 से पहले आवास मुश्विधा/स्टाफ क्वार्टर आबद्धि किया गया है, या अहंता किसी कर्मचारी ने 'क' के अधीन संशोधन स्कीम के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पहले विकल्प का प्रयोग किया है वहाँ वह 1 अप्रैल, 1983 के पूर्ववर्ती तारीख या संगोष्ठन स्कीम के ऐसे प्रकाशन की तारीख को, उसे मदत मकान कियाया भना नव वेतन प्राप्त करना रुक्या जब वह वह निगम/कम्पनी द्वारा आबद्धि आवास मुश्विधा / स्टाफ क्वार्टरों का प्रधिष्ठान रखे रहता है।

VII. नगर प्रतिकर भना— पर्यावर्ती निपाकीय और अर्थात्त्व स्थान कर्मचारियों का गदेय नगर प्रतिकर भने वा मापमान निम्नान्तर होगा—

वैतानी का स्थान	दर	न्यूनतम अधिकारी का स्थान	न्यूनतम अधिकारी का स्थान
(क) 12 लाख म अधिक जनसंख्या वाले नगर और पर्यावर्ती वाले भारतीय समाज का गदेय	पर्यावर्ती और निपाकीय कर्मचारी वाले नगर	चारियन्ड मूल वेतन का 10 प्रतिशत	65 140
(ख) 5 लाख और उससे अधिक किलो 12 लाख से अन्यथा वाले जनसंख्या वाले नगर	पर्यावर्ती और निपाकीय कर्मचारी वाले नगर	क्षेत्रीय कर्मचारियन्ड मूल वेतन का 8 प्रतिशत	40 60
(ग) 12 लाख से 5 लाख तक वाले जनसंख्या वाले नगर	पर्यावर्ती और निपाकीय कर्मचारी वाले नगर	पर्यावर्ती और निपाकीय कर्मचारी वाले नगर	15 90
(घ) 5 लाख से 3 लाख तक वाले जनसंख्या वाले नगर	पर्यावर्ती और निपाकीय कर्मचारी वाले नगर	क्षेत्रीय कर्मचारियन्ड मूल वेतन का 6 प्रतिशत	30 35

दिग्नान-सम पैग के प्रयोगजन के लिए जनसंख्या सबूत आकर्ष वे होंगे जो 1481 की जनगणना विपाट में दिए गए हैं।

(2) उपरोक्त (i) में किसी वात के हाते द्वारा भी, पर्यावर्ती निपाकीय और अर्थात्त्व स्थान कार्यालय का गेहा कोई कर्मचारी, जिस पर्यावर्ती वेतनमान से नियन्त्रण की तात्पर्य में ठीक पहले नगर प्रतिकर भने के स्वयं में 20 शार्य प्रतिमास की रवास मिलनी गई है और जो इस स्फीय के अधीन नगर प्रतिकर भने वा पावर नहीं है, उसके नक्षम तक तक प्राप्त करना चाहेगा जब तक वह उसी स्थान पर रहना चाहता है।

VIII. पर्यावर्ती स्थान भना— (1) पर्यावर्ती निपाकीय और अर्थात्त्व स्थान कार्यालय में के किसी कर्मचारी का गदेय पर्यावर्ती स्थान भना वे मापमान निम्नलिखित स्वयं में होंगे—

(i) जो औमत समृद्ध तक से 1500 मूल वेतन के 10 प्रतिशत की दर में किलो 1500 सॉटर और उससे अधिक की दर में किलो 1500 सॉटर से कम की ऊचाई पर स्थित स्थानों पर वैतान होता है।

(ii) जो औमत समृद्ध तक से 1000 सॉटर और उससे अधिक किलो 1500 सॉटर से कम की ऊचाई पर स्थित स्थानों पर वैतान होता है। जिन्हें केन्द्रीय सरकार/गवर्नर बंगाली ने अपने कर्मचारियों के लिए विनिर्दिष्ट स्वयं में 'पर्यावर्ती स्थान घायित किया है वैतान होता है।

IX. किट भला इस अनुसूची की मर्यादा (viii) में शूचीबद्ध किसी पर्यावर्ती स्थान का स्थानान्तरित कर्मचारियों का 400 रुपये का किट भला दिया जाएगा। किट भला एक पर्यावर्ती स्थान से दूसरे पर्यावर्ती स्थान को स्थानान्तरित होता है या पूर्ववर्ती नीत वर्गों के दोनों तरफे किसी भी रूपये बापूम ले लिए जाने पर, सदैय नहीं होगा।

[का म 102/7/बीमा-IV/185]
ग के पांड्या, अपर गविव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th October, 1985

INSURANCE

S.O. 769(E).—In exercise of the powers conferred by Section 17A of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972), the Central Government hereby frames the following Scheme further to amend the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme 1974, namely :—

1. (1) This Scheme may be called the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and Other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Amendment Scheme, 1985.

(2) It shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1983.

(3) It shall apply to all employees—

- (i) who are whole time employees in supervisory, clerical and subordinate staff cadre of the Corporation or of the Company on the date of commencement of this Scheme ; and
- (ii) who are appointed as such by the Corporation or the Company after the date of commencement of this Scheme ;

but shall not apply to persons—

- (a) who have been promoted as Class I Officers or converted as Development Staff on or after the 1st day of April, 1983;
- (b) who are employed under specific contracts of employment ; or
- (c) who hold part-time employment ; or
- (d) whose resignation had been accepted or whose services had been terminated before the date of publication of this Scheme in the Official Gazette.

2. In the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and Other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974 (hereinafter referred to as the "said Scheme"), in paragraph 3—

- (i) after clause (b), the following clause shall be inserted, namely :—
- (b) 'Corporation' means the General Insurance Corporation of India formed under Section 9 of the Act'

- (ii) For clauses (fa) and (fb), the following clauses shall be substituted, namely :—
 - (fa) "Revised terms" means the revised scales of pay and allowances as specified in the Fourth Schedule;
 - (fb) "Revised scales of pay" means the revised scales of pay specified in the Fourth Schedule."

3. In paragraph 4 of the said Scheme, for sub-paragraphs (4) and (5), the following sub-paragraphs shall be substituted, namely :—

"(4) With effect from the date of commencement of the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other conditions of service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Amendment Scheme, 1985 (hereinafter referred to as the "Amendment Scheme"), the pay and allowances of every employee shall be in accordance with the 'revised terms' and the bank salary of every employee in service as on that date shall be fixed in the revised scales of pay in accordance with the provisions of paragraph 6A.

(5) Every employee whose basic salary is fixed in the revised scales of pay in accordance with the provisions of paragraph 6A, shall be paid, for the period commencing on and from the 1st day of April, 1983 or the date of his appointment, whichever is later, the difference of basic salary, personal pay, if any, dearness allowance and other allowances (after deducting the employee's compulsory contribution to the provident fund) between the "revised terms" and the "new scales of pay" (hereinafter referred to as the "existing terms") applicable to him immediately before the date of commencement of the Amendment Scheme, provided that :—

- (i) an employee who had retired from service after the 1st day of April, 1983 shall be paid the difference in amount as aforesaid for the period upto the date of his retirement alongwith the difference in amount of gratuity, if any, arising out of the Amendment Scheme, and
- (ii) in the case of an employee who had died whilst in service after the 1st day of April, 1983, the difference in amount as aforesaid for the period upto the date of his death shall be paid to the person to whom his Provident Fund was to be paid and the difference in amount of gratuity, if any, arising out of the Amendment Scheme shall be paid to the person to whom his gratuity was to be paid.

Provided further that in respect of an employee who is promoted from Supervisory, Clerical and Subordinate Staff cadre to the cadre of officer or converted as Development Staff on or after the 1st day of April, 1983 the difference in the amount referred to above (excluding the difference in gratuity amount) upto the date of his promotion as officer or

conversion as Development Staff, shall be paid, on the basis of notional fixation of his basic salary in the revised terms.

EXPLANATION :

"For the purpose of sub-paragraph (5) the expression "Other Allowances" means house rent allowance, City Compensatory allowance, functional allowance, hill station allowance and allowance for technical qualifications as admissible to an employee."

4. For paragraph 6A of the said Scheme, the following paragraph shall be substituted, namely :—

"6A Fixation of basic salary in the revised scales of pay :—

(1) The basic salary of every employee in service as on the 31st day of March, 1983, shall be fixed at a corresponding stage in the relevant revised scale of pay with effect from the 1st day of April, 1983;

Provided that where an annual increment is due to such an employee on the 1st day of April, 1983, he shall be granted such an increment in the revised scale of pay immediately after such fixation of basic salary.

Provided further that where the basic salary of such an employee is fixed at the maximum of the relevant revised scale of pay no such increment shall be granted.

(2) The basic salary of every employee appointed on or after the 1st day of April, 1983 but before the publication of the Amendment Scheme in the Official Gazette, shall be fixed at the corresponding stage in the relevant revised scale of pay with effect from the date of his appointment",—

Provided that the benefit on the fixation of basic salary (namely, the increase in the total of basic salary and dearness allowance under the 'revised terms' over the total of the basic salary, personal pay, if any, dearness allowance and personal allowance under the "existing terms") shall not be less than the amount specified in Column (2) of the Table annexed hereto in relation to the categories of employees specified in the corresponding entry in Column (1) of the said table :—

TABLE

Category of employees	Minimum benefit per month
(1)	(2)
Subordinate Staff	35.00
Record Clerk	40.00
All employees in the scale of pay of Assistant	50.00
Senior/Assistant/Stenographer	60.00
Superintendent	

Provided further that if the fixation of basic salary in the relevant revised scale of pay does not result in the minimum benefit as specified in the aforesaid Table, the basic salary of the employee will be fixed at one or more higher stages in the relevant revised scale of pay so as to ensure that he gets the minimum benefit specified in the aforesaid Table.

Provided also that where the fixation of basic salary at the maximum of the relevant revised scale of pay, does not enable the employee to get the minimum benefit specified in the aforesaid Table, he will be granted 'adjustment allowance' to the extent of the shortfall which allowance shall be adjusted against any future increase in basic salary or dearness allowance due on or after the publication of the Amendment Scheme in the official Gazette.

3. (a) Notwithstanding anything contained in sub-paragraphs (1) and (2), the employee may choose that his basic salary may be fixed in the revised scales of pay with effect from the date of publication of the Amendment Scheme in the Official Gazette, in which case he shall intimate this fact in writing to the Corporation or Company within 30 days of such publication of the Amendment Scheme or such further period as may be allowed by the Managing Director or Chairman-cum-Managing Director of the Company.

(b) Where the employee opts for the fixation of his basic salary with effect from the date of such publication of the Amendment Scheme, such fixation in the revised terms shall be effected in the same manner as above including the aforesaid minimum benefit but on the basis of his aggregate emoluments (i.e. basic salary, personal pay, if any, dearness allowance and personal allowance) under the "existing terms" on the date immediately prior to the date of such publication of the Amendment Scheme :

Provided that any review of the employee's emoluments under the existing terms, even on a notional basis, shall not be effected, and no arrears for the period prior to the date of such publication of the Amendment Scheme shall be payable to him.

Provided further that where total of the aggregate emoluments (i.e. basic salary, personal pay, if any, dearness allowance and personal allowance) of any such employee in the supervisory and clerical cadres under the existing terms on the date immediately preceding the date of such publication of the Amendment Scheme and the aforesaid minimum benefit, exceeds his aggregate emoluments (i.e. basic salary, dearness allowance and adjustment allowance, if any) under the revised terms, such employee's aggregate emoluments shall be protected by grant of personal allowance to

the extent of the difference between Rs. 3,500 and the aggregate of basic salary, dearness allowance and adjustment allowance, if any, under the revised terms, and balance, if any, by grant of protection allowance :

Provided also that whilst personal allowance shall be adjusted against future increases in basic salary or dearness allowance due to the employee on or after such publication of the Amendment Scheme, the protection allowance shall continue to be unabsorbed till the date of employee's promotion to the officer's grade and on promotion of the employee as an Officer, the personal allowance, if any, shall first be absorbed to the extent possible in his aggregate emoluments on such promotion and when the full personal allowance is absorbed, the protection allowance shall be absorbed to the extent possible in the employee's aggregate emoluments on promotion as an officer :

Provided also that where the personal allowance or as the case may be, protection allowance is not fully absorbed even on promotion as an officer, the unabsorbed balance will continue as such even after the promotion :

Provided also that such personal allowance, or as the case may be, protection allowance that may continue after such promotion shall be absorbed against future increases in emoluments, as may be decided by the Chairman of the Corporation :

Provided also that the basic salary of no employee shall be fixed at basic salary higher than the maximum of the relevant revised scale of pay :

Provided also that where, as a result of the fixation of basic salary in the relevant revised scale of pay, the basic salary of an employee at two or more consecutive stages in the relevant scale of pay under the existing terms secures fixation at the same stage in the relevant revised scale of pay, the Chairman of the Corporation may provide appropriate relief by granting an additional increment earlier than the date of his normal grade increment, to the employee who is at the higher stage in the scale of pay under the "existing terms".

5. For paragraph 7 of the said Scheme, the following paragraph shall be substituted, namely :—

"7 Increments—(1) increments to an employee in the grade applicable to him with effect from the date of publication of the Amendment Scheme in the official Gazette shall be due every year on the first day of the month in which the last increment was drawn or on the 1st day of the month in which he completes twelve months of continuous service.

EXPLANATION : For the purpose of this subparagraph "twelve months of continuous service" means a period of duty equal to twelve months excluding periods of extraordinary leave.

(2) In respect of an employee (other than a Superintendent) whose basic salary is fixed at maximum of the revised scale of pay on the 1st day of April 1983 or on the date of publication of the Amendment Scheme under Paragraph 6A and in respect of an employee who will be reaching the maximum of the revised scale of pay at any time thereafter during the period of his service, the Managing Director or the Chairman-cum-Managing Director of the Company, as the case may be, subject to the record of work of the employee being found satisfactory, consider granting of one increment to such employee in the scale of pay of Assistant, Driver or, as the case may be, other Subordinate Staff, for every two years of service rendered by him after the date of his reaching the maximum of the restrictive revised scale of pay, at the rate of last increment drawn in the scale, and not more than three such increments shall be granted :

Provided that for an employee in the scale of Senior Assistant, Stenographer or Record Clerk, one such increment in the relevant revised scale of pay may be granted for every three years of service rendered by the employee after the date of his reaching the maximum of the respective revised scale of pay, and not more than two such increments shall be granted under this subparagraph".

6. In paragraph 8 of the said Scheme, after subparagraph (3), the following sub-paragraph shall be inserted, namely :—

"(4) Subject to the maximum weekly hours of work stipulated in sub-paragraphs (1) and (2), the Board of the Corporation may determine, from time to time, the number of working days in a week and the number of daily working hours."

7. In paragraph 10 of the said Scheme :—

(1) in sub-paragraph (3), for the existing clause (c), the following clause shall be substituted, namely :—

"(c) Where an employee has earned leave to his credit but has not availed of the same as on the date of retirement, he may be paid cash equivalent of leave salary in respect of the period of earned leave to his credit as on the date of retirement subject to the following maximum limits, namely :—

(i) 180 days, if the normal retirement age of the employee is 58 years; and

(ii) 120 days, if the normal retirement age of the employee is 60 years;

Provided that earned leave standing to his credit as on the date of his death may be allowed to be encashed :

Provided further that this clause shall not apply to an employee who has been compulsorily retired, removed or dismissed in accordance with the General Insurance (Conduct, Discipline and Appeal) Rules, 1975.

NOTE 1. "For determining the amount due to an employee for purposes of encashment of earned leave—

(a) In the event of retirement, the leave salary shall be equal to his salary for such leave standing to his credit calculated at the rate at which he drew salary immediately preceding the date of his retirement but excluding City Compensatory Allowance, House Rent Allowance and Functional Allowance.

(b) In the event of death of an employee, his gross total monthly emoluments (basic salary plus all allowances excluding functional allowance and officiating allowance) as on the date of death shall be taken into consideration".

NOTE 2. The amount due to an employee as a result of the encashment of earned leave remaining to his account on the date of his death shall be paid to the person to whom the concerned employee's provident fund arrears are payable.

NOTE 3. The cash equivalent of leave salary shall be paid in one lump sum as a one time settlement.

NOTE 4. The authority to grant cash equivalent of leave salary shall be an officer competent to grant leave to the employee concerned.

(2) for the existing proviso to sub-paragraph (5), the following proviso shall be substituted, namely :—

"Provided that if an employee is suffering from any of the eight major diseases of Cancer, Leprosy, T.B., Paralysis, Brain Tumor, Cardiac Allment, Kidney disease or mental disease, he may be allowed Special Sick Leave on half pay for a period not exceeding six months, if he has to his credit no sick leave admissible to him".

8. For paragraph 13 of the "said Scheme", the following paragraph shall be substituted, namely :—

"13 Gratuity.—(1) An employee shall be paid Gratuity in accordance with the provisions of the payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972) :

Provided that gratuity payable under the Amendment Scheme shall be no case exceed

20 months' wages subject to the condition that—

- where the wages last drawn by any employee exceed Rs. 1600, it shall be deemed to be Rs. 1600, for the purpose of determining the quantum of gratuity; and
- the rate at which gratuity shall be paid shall stand increased as under :—

Number of completed years of service	Rate of gratuity for each year of service in number of months' wages
12	0.6
13	0.7
14	0.8
15 or more	1.0

EXPLANATION :—In this paragraph, "wages" shall have the meaning assigned to it in clause(s) of section 2 of the payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972).

- Notwithstanding anything contained in sub-paragraph (1), an employee who has rendered continuous service of not less than 15 years shall be paid gratuity which shall be higher of the two amounts calculated in accordance with sub-clause (i) and sub-clause (ii) below :—
 - Gratuity calculated in accordance with sub-paragraph (1);
 - Gratuity at the rate of one month's terminal basic salary for each completed year of continuous service in respect of the first fifteen years and at the rate of half a month's terminal basic salary for each year of further continuous service subject to the condition that the total gratuity so admissible does not exceed a maximum of 20 months' terminal basic salary of Rs. 36,000 whichever is less."

9. In paragraph 19 of the said scheme, in sub-paragraph (2), the following shall be inserted at the end, namely :—

"including the introduction of Microprocessors at the various offices as may be necessary for timely generation and speedy processing of data for management information and for effective control."

10. Paragraph 20 of the said scheme shall be omitted.

11. For paragraph 24 of the said Scheme, the following paragraph shall be substituted, namely :—

"24. Other benefits.—No employee shall be entitled to any benefit not arising out of this Scheme or any Scheme which may be framed by the Corporation or Company."

- In the Third Schedule of the said Scheme :—
 - In clause (a), for the figures "15" the figure "7" shall be substituted;
 - for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—
"The Corporation or the Company shall reimburse to the employee, the cost of travel upto 1208 kms. each way."
 - in clause (e).—(a) for the figures "1000", the figures "1208" shall be substituted; (b) for the words "sub-paragraph" the words "clause" shall be substituted;
 - In clause (f), for the words and figures "more than 15 days", the words and figure "not less than 7 days" shall be substituted.

14. In the said Scheme, for the Fourth Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely :—

"THE FOURTH SCHEDULE

[See Paragraph 3 (fa) & (fb)]

I. Revised Scales of pay (Basic Salary)

A—Supervisory and Clerical Staff—

- Superintendent : (Run off cadre)*
Rs. 1060-75-2035-80-2435.
- Senior Assistant :
Rs. 715-60-1135-75-2035.
- Stenographer :
Rs. 715-60-1135-75-2035.
- Assistant, Typist, Telephone Operator, Telex Operator, Receptionist, Punch Card Operator, Unit Record Machine Operator, Comptist and other equivalent position :
Rs. 520-30-670-45-850-60-1210-75-1660.
- Record Clerk :
Rs. 490-20-730-35-905-45-1130.

B—Subordinate Staff—

- Driver :
Rs. 490-20-750-25-800-30-980.
- Other Subordinate Staff :
Rs. 430-10-450-20-790.

*No fresh appointment to the post of Superintendent shall be made by the Corporation or Company.

II. Functional Allowance

Employees engaged in any of the following functions as their regular and main function shall be paid a functional allowance as indicated below :

- Subordinate staff working as Liftmen, Machine Operators, Head Peons, Jamadars or Daftaries
Rs. 35/- p.m.

(2) Subordinate Staff carrying cash to or from Bank where the amount of cash carried during a calendar month is ordinarily Rs. 25,000 or more	Rs. 25/- p.m.
(3) Cashier handling cash in an office where the total amount of cash transactions during a calendar month is ordinarily Rs. 25,000, or more	Rs. 75/- p.m.
(4) Telex Operators, Punch Card Operators and Unit Record Machine Operators	Rs. 40/- p.m.
(5) Comptists	Rs. 40/- p.m.
(6) Stenographer to Chairman of the Corporation, Managing Directors, Chairman-cum-Managing Directors, General Managers, Assistant General Managers and equivalent positions	Rs. 50/- p.m.
(7) Audit Assistants	Rs. 200/- p.m.

NOTE 1. The number and names of persons eligible to draw the functional allowance shall be determined by the Chairman-cum-Managing Director or the Managing Director depending upon the load of work and administrative requirements.

NOTE 2. An employee shall draw only one functional allowance at any one time.

NOTE 3. An employee proceeding on leave shall be paid the functional allowance during his leave period other than periods of extra ordinary leave, provided that he resumes work in the same position on the expiry of his leave.

NOTE 4. No employee shall, as a matter of right, claim to be allotted a particular portfolio of work in order to avail of the functional allowance attaching to that position.

NOTE 5. No employee shall refuse to work in a position carrying a functional allowance or make it a condition that he be paid such allowance where, because of absence of the incumbent or temporary pressure of work, the employee is assigned such work by the Head of his Office.

III. Dearness Allowance

(1) The scale of dearness allowance applicable to the employees shall be determined as under :—

Index: All India Average Consumers Price Index Number for Industrial workers.

Base Year : 1960-100

Revision of Dearness Allowance:—Revision of dearness allowance may be made on quarterly basis for every 4 points rise or fall.

Rate of dearness allowance:—For every 4 points of the quarterly average over 332 points, the dearness allowance shall be calculated at the following rates :—

(i) Basic salary of Rs. 790/- or less	1.2 of basic salary
(ii) Basic salary of above Rs. 790/-.	1% of basic salary with a minimum of Rs. 9.48 paise and maximum of Rs. 15.80 paise

(2) There shall be an upward revision of the dearness allowance payable for every four points rise in the quarterly average (hereinafter referred to as the "current average figure") of the All India Consumers Price Index above 332 points in the sequence 332-336-340-344 and so on; and there shall be downward revision of the dearness allowance payable if the current average figure falls below the index figure in the above sequence with reference to which the dearness allowance has been paid for the last preceding quarter. On the downward revision, the dearness allowance payable shall correspond to the current average figures if such current average figure is a figure in the above sequence; and the dearness allowance payable shall correspond to the figure in the above sequence next preceding the current average figure if such current average figure is not a figure in the sequence. For this purpose, quarter shall mean a period of three months ending on the last day of March, June, September, or December. The final index figures as published in the Indian Labour Journal or the Gazette of India, whichever publication is available earlier, shall be the index figure which shall be taken for the purpose of calculation of dearness allowance.

(3) The revision in dearness allowance corresponding to the changes in the current average index for any particular quarter shall take effect only from the second succeeding month following the end of the quarter.

(4) For removal of doubt, it is clarified that the dearness allowance payable on the 1st April, 1983, shall be the amount determined in accordance with the rate specified herein on 160 point above 332 and all quarterly revisions thereafter shall be deemed to fall due on the first of the month in which the quarterly average index figures were available. Accordingly, for April, 1983, the dearness allowance payable shall be as indicated in the first entry in the Table given below and such allowance shall be deemed to have been revised thereafter in accordance with successive entries in the table.

TABLE

Dearness Allowance payable for the months	Quarterly Average Index in multiples of four points	Index points above 332 for which D.A. is payable	Rate*	
			Basic Salary upto Rs. 790	Basic salary above Rs. 790
April, 1983	492	160	48 %	40 %
May, 83 to July, 83	496	164	49.2 %	41 %
Aug. 83 to Oct. 83	520	188	56.4 %	47 %
Nov. 83 to Jan. 84	548	216	64.8 %	54 %
Feb. 84 to April, 84	556	224	67.2 %	56 %
May, 84 to July, 84	560	228	68.4 %	57 %
Aug. 84 to Oct. 84	564	232	69.6 %	58 %
Nov. 84 to Jan. 85	584	252	75.6 %	63 %
Feb. 85 to April, 85	588	256	76.8 %	64 %
May, 85 to July, 85	584	252	75.6 %	63 %
Aug. 85 to Oct. 85	600	268	80.4 %	67 %

*Subject to minimum and maximum amounts as indicated in sub-entry (ii) of entry (1) under the heading.

IV. Maximum Limit of Pay :

No employee—

(i) Working in the Supervisory or Clerical Staff of the Corporation, or as the case may be, a company, shall at any time, draw as basic salary, special pay, if any, Dearness Allowance and Personal Allowance, an amount exceeding Rs. 3500 per month in the aggregate;

(ii) working in the Subordinate Staff of the Corporation or as the case may be, a Company, shall at any time, draw as basic salary, special pay, if any, Dearness Allowance and Personal Allowance, an amount exceeding Rs. 2100 per month in the aggregate.

V. Allowance for Technical qualifications :

A confirmed employee who qualifies or has qualified in an examination mentioned below shall be paid with effect from the date of publication of the results of the examination, the allowance for technical qualifications mentioned below :—

Provided that not more than one qualification allowance shall be permissible to him.

Examination	Qualification allowance per month
Federation of Insurance Institutes or Chartered Insurance Institute	Rs.
(i) Licentiate	25
(ii) Completion of Associateship	50
(iii) Completion of Fellowship	75
Institute of Actuaries	
(iv) Any three subjects	40
(v) Any seven subjects	60
(vi) Completion of Fellowship	75
Institute of Chartered Accountants or Institute of Costs and Works Accountants:	
(vii) Completion of Intermediate	50
(viii) Completion of Associateship or Fellowship.	75

The grant of allowance for technical qualifications shall not affect the seniority of the employee concerned.

Where an employee has already been given an advance increment or any other recurring monetary benefit for having qualified in any of the said examinations, the amount of qualification allowance shall be suitably reduced or be not admissible depending on the quantum of benefit already received.

VI. House Rent Allowance :—

(1) The House Rent Allowance to the employee shall be payable at the rate of 10 per cent of basic salary subject to a maximum of Rs. 200 per month.

Where an employee has been provided with residential accommodation|Staff quarters by the Corporation or a Company, no House Rent Allowance shall be payable to him.

(2) Employees who are allotted residential accommodation|staff quarters shall not be entitled to any house rent allowance, but they shall pay to the Corporation|Company, for such accommodation, the appropriate licence fee as may be decided by the Board of the Corporation from time to time. Provided that an employee who has been allotted residential accommodation|staff quarters before the 1st day of April, 1983, or where an employee has exercised an option under paragraph 6A, before the date of publication of the Amendment Scheme in the Official Gazette, shall continue to receive the house rent allowance paid to him as on the date preceding the 1st day of April, 1983 or the date of such publication of the Amendment Scheme so long as he continues to occupy the residential accommodation|staff quarters allotted by the Corporation|Company.

VII. City Compensatory Allowance

(1) The scale of city compensatory allowance payable to Supervisory, Clerical and Subordinate Staff employees shall be under :

Place of posting	Rate	Minimum Rs.	Maximum Rs.
(a) Cities with population exceeding 12 lacs and Urban Agglomeration of Panaji & Marmugao	Supervisory & Clerical staff: 10% of basic salary Sub-Staffs 8% of basic salary	65	140
		40	60
(b) Cities with population of 5 lacs and above but not exceeding 12 lacs, state capitals with population not exceeding 12 lacs and Chandigarh, Pondicherry & Port Blair.	Supervisory & Clerical Staff: 6% of basic salary Sub-Staff: 4-1/2 % of basic salary	45	90
		30	36

NOTE:—For the purpose of this paragraph, the population figures shall be those in the 1981 Census Report.

(2) Notwithstanding anything contained in subparagraph (1), any employee in Supervisory, Clerical and Subordinate Staff cadre, in receipt of an amount of Rs. 20 per month as city compensatory allowance immediately before the date of fixation in the revised scale of pay and not becoming eligible for city compensatory allowance under this Scheme, shall continue to receive the said amount so long as he is posted at the same place.

VIII. Hill Station Allowance—(1) The scales of hill station allowance payable to employees in Super-

visory, Clerical and Subordinate Staff cadre shall be as follows:

- (i) Posted at Place situated at height of 1500 metres and over, above mean sea level. At the rate of 0% of the basic salary, subject to a minimum of Rs. 35 and a maximum of Rs. 100 per month.
- (ii) Posted at places situated at a height of 1000 meters and over, but less than 1500 Metres, above mean sea level, at Mercara and at places which are specifically

at the rate of 8% of basic salary, subject to a minimum of Rs. 30 per month and a maximum of Rs. 75 per month.

declared as "Hill Stations" by Central/State Governments for their employees.

IX. Kit Allowance :

Employees transferred to any of the hill stations listed in item VIII of this Schedule shall be paid a kit allowance of Rs. 400. The kit allowance shall not be payable on transfer from one hill station to another or if the same drawn at any time during the preceding three years."

[F. No: 102/7/Ins-IV/85]

A. K. PANDYA, Addl. Secy.